Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 181 , 06 दिसम्बर, बुधवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

केंद्र ने राज्यों से शांति सुनिश्चित करने को कहा

नयी दिल्ली। बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी से पहले केंद्र ने सभी राज्यों से सतर्क रहने और शांति सुनिश्चित करने को कहा है जिससे देश में कहीं भी सांप्रदायिक तनाव की घटनायें सामने न आयें। मंत्रालय के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय गह मंत्रालय ने एक पत्र में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बताया कि संवेदनशील जगहों पर पयार्स सुरक्षा बलों की तैनाती करें और अतिरिक्त सतर्कता बरतें जिससे शांतिभंग करने की किसी भी साजिश को विफल किया जा सके। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद का विध्वंस कर दिया गया था।

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के स्वास्य की जांच

नई दिल्ली। बढ़ते प्रदूषण के चलते राजधानी की सड़कों पर ड्यूटी करने वाले यातायात पुलिसकर्मियों के स्वास्य पर ऐसे वातावरण में काफी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इसके मद्देनजर सोमवार को टोडापुर स्थित यातायात पुलिस मुख्यालय में यातायात पुलिसकर्मियों के लिए चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। जहां तीन बड़े अस्पतालों के डॉक्टरों ने यातायात पुलिसकर्मियों के स्वास्य की जांच की।

नए मुख्य सचिव ने संभाला कार्यभार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के नए मुख्य सचिव अंशु प्रकाश ने अपना कार्यभार संभाल लिया व सोमवार को उन्होने विभागीय सचिवों के साथ बैठक की। आम आदमी पार्टी की सरकार ने मुख्य सचिव द्वारा विभागीय सचिवों की बैठक की परंपरा को 2015 में तोड़ दिया था जिसे पूर्व मुख्य सचिव एम एम कुट्टी ने बहाल कर दिया था। अब अंशु प्रकाश ने भी आज विभागीय सचिवों के साथ बैठक की। पहली बैठक में मुख्य सचिव ने वायु प्रदूषण पर सरकार के द्वारा उठाए जाने वाले कदमों में की समीक्षा की। दिल्ली सरकार द्वारा प्रदूषण को लेकर उठाए कदमों की समीक्षा ग्रीन ट्रिब्यूनल करेगा। मुख्य सचिव ने ड्राफ्ट नोट को सहमति दे दी जिसके बाद बुधवार को इसे ग्रीन ट्रिब्यूनल में पेश किया जाएगा।

घटिया स्ट्रीटलाइट नोडल अफसर नियुक्त करें : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आज दिल्ली सरकार एवं नगर निकायों को राष्ट्रीय राजधानी में स्ट्रीट लाइटों के काम नहीं करने के मुद्दे पर गौर करने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने इन प्रशासनों से नोडल अधिकारी का नाम सार्वजनिक करने को भी कहा ताकि लोग स्ट्रीट लाइटों के ढंग से काम नहीं करने के बारे में अपनी शिकायतों को लेकर संबंधित अधिकारी से संपर्क कर पाएं।पीठ ने कहा कि नोडल अधिकारी अधीक्षण अभियंता स्तर का अधिकारी होगा और उसकी जिम्मेदारी सड़कों पर लगाये जा रहे स्ट्रीटलाईटों की प्रकृति एवं गुणवत्ता की पुष्टि करना भी होगा।दक्षिण दिल्ली के दो बाशिंदों – मनजीत सिंह चुग और रवि गोपाल कृष्णन ने अर्जी दायकर कर आरोप लगाया है कि दक्षिण दिल्ली में सड़कों पर लगे स्ट्रीट लाइट काम नहीं कर रहे या उनका रखरखाव सही ढंग से नहीं हो रहा है या बंद होने के बाद उन्हें बदला नहीं जा रहा है।

दिल्ली सलाहकार अनबुंध श्रम बोर्ड का गठन

श्रम मंत्री होंगे दिल्ली सलाहकार अनबुंध श्रम बोर्ड के अध्यक्ष

नई दिल्ली। श्रम मंत्री गोपाल राय ने बताया कि संविदा कर्मचारियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल की अनुमति से संविदा मजदूरी अधिनियम 1970 के प्रावधानों के अंतर्गत दिल्ली सलाहकार अनबुंध श्रम बोर्ड का गठन किया है। दिल्ली सलाहकार अनबुंध श्रम बोर्ड के अध्यक्ष श्रम मंत्री होंगे। यह 13 सदस्यीय त्रिपक्षीय बोर्ड है जिसमें कर्मचारियों के प्रतिनिधि, नियोक्ताओं के प्रतिनिधि तथा दो विधायक शामिल किए गए हैं। राय ने कहा कि पूरे भारत में इस समय मजदूरों की एक बहुत बड़ी संख्या अनुबंध श्रम के अंतर्गत मजदूरी कर रही है। यद्यपि सरकार ने अनुबंध श्रम (विनिमय और उन्मूलन) अधिनियम बनाया है व इस अधिनियम और इसके अंतर्गत बने हुए नियमों का उद्देश्य अनुबंधित श्रम को नियंत्रित करना है और विशेष परिस्थितियों में इसका उन्मूलन करना है। इस अधिनियम के अंतर्गत यह प्रावधान किया गया है कि ठेकदार को, जिसके पास 20 ज्यादा मजदूर काम करते हैं, लाइसेंस लेना अनिवार्यहै और इसी प्रकार नियोक्ता को भी अपना पंजीकरण करवाना अनिवार्य है।

प्रदूषण पर एनजीटी की दिल्ली सरकार को फटकार

48 घंटे में दाखिल करे कार्रवाई रिपोर्ट

नई दिल्ली। राजधानी में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति से निपटने में कोताही बरतने के लिए एनजीटी ने सोमवार को दिल्ली सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि वह अगले 48 घंटे के अंदर इस मामले पर कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करे वरना उसके खिलाफ तगड़ा जुर्माना लगाया जाएगा।

न्यायमूर्ति स्वतंत्र कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने प्रदूषण से निपटने के लिए अभी तक कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल नहीं किए जाने पर दिल्ली सरकार से गहरी नाराजगी जताते हुए पूछा कि वह एक भी ऐसा कदम बताये जो उसने प्रदूषण से निपटने के लिए उसके पूर्व में दिए गए आदेश का अनुपालन करने के लिए उठाया हो।

ट्रिब्यूनल ने सवाल किया क्या दिल्ली के लोग हर समय तकलीफ ही सहने के लिए हैं। हम पहले ही यह कह चुके हैं कि प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा हो तो आपात स्थिति के तहत सभी कार्यालय बंद कर दिए जाएं। ट्रिब्यूनल ने दोपहिया वाहनों को रियायत देने की सोचने पर भी दिल्ली सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि ऐसे वाहनों की वायु प्रदूषण बढ़ाने में बड़ी भूमिका रही है वह इन्हें रियायत देने की बात कर रही है।

ट्रिब्यूनल ने वायु प्रदूषण के कारण रविवार को भारत-श्रीलंका क्रिकेट मैच कुछ देर के लिए रोक दिए जाने का हवाला देते हुए कहा हालत यह हो गई है कि लोग अब मैच भी छोड़कर जाने लगे हैं और आप गंभीरता नहीं समझ रहे हैं।

इस वर्ष पीड़ितों की संख्या 9 हजार के पार

हफ्तेभर में डेंगू के 176 मामले सामने आए

नई दिल्ली। राजधानी में डेंगू की रफ्तार बेशक कम है लेकिन अस्पतालों में डेंगू संभावितों का आना जारी है। यहां बनाए गए डेंगू फीवर वार्डों में हर दिन चार से पांच डेंगू संदिग्ध रोगी पहुंच रहे हैं। पिछले सप्ताह डेंगू के 176 नये मामले पॉजिटिव दर्ज किए गए हैं। इसके साथ इस साल राजधानी में मच्छर जनित बीमारी से प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या 9072 हो गई।

दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) की सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक इस साल दो दिसम्बर तक मलेरिया और चिकनगुनिया के क्रमश: 1132 और 9072 मामले सामने आए। हालांकि इन मामलों में गिरावट आयी है क्योंकि मच्छरजनित बीमारियों का मौसम समाप्त होने वाला है। इस साल डेंगू के 9072 मामले में 4645 मरीज दिल्ली के थे, जबकि 4427 उपचार के लिए शहर के बाहर से आए हुए थे। मच्छर जनित बीमारी से इस साल शहर में पहली मौत एक अगस्त को में दर्ज की गई थी जब राजेंद्र नगर स्थित सर गंगा राम अस्पताल (एसीआरएच) में 12 वर्षीय लड़के ने दम तोड़ दिया। मच्छरजनित बीमारियों के मामले आम तौर पर मध्य जुलाई और नवंबर अंत तक आते हैं। हालांकि इस साल बीमारी पहले ही फैलने लगी थी।

दुनिया में भाप इंजन से परिवहन के क्षेत्र में आयी क्रांति

पर्यटकों के लिए कुछ सर्किटों पर चलेंगे भाप के इंजन वाली ट्रेनें

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष अश्वनी लोहानी ने यहां राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में आयोजित 15वीं राष्ट्रीय स्टीम कांग्रेस में कहा कि भाप इंजन दुनिया भर में परिवहन के क्षेत्र में आयी क्रांति के लिए पहचाने जाते हैं। भारत में 1825 में रेलवे के आगमन से दूरियां घटीं और दिनों और घंटों में तय की जाने लगीं, हमारे देश में यह एक महान राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन था। उन्होंने कहा कि अब हालांकि भाप इंजनों का भारतीय रेलवे से परिचालन समाप्त प्राय हो गया है।

जानलेवा गड्ढों पर उपराज्यपाल ने दिखाई सख्ती

जनता ऐप से भेजे गड्ढों की जानकारी, तुरंत हो एक्शन

नई दिल्ली। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने गंभीर चिंता दर्शाते हुए कहा कि सड़क के गड्ढे घातक घटनाओं का प्रमुख कारण हैं।

सड़क के गड्ढों की मरम्मत के संबंध में उपराज्यपाल ने कहा कि लोक निर्माण विभाग विभिन्न सड़क बनाने वाले विभागों जैसे डीडीए, एनडीएमसी, एमसीडी, एनएचएआई और दिल्ली कैन्टोनमेंट बोर्ड आदि के साथ सड़कों की मरम्मत के लिए समन्वय कर एक नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगा। उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि एक ऐप होना चाहिए जहां नागरिक सड़क के गड्ढों की फोटोग्राफ को अपलोड कर मरम्मत करने वाले विभाग को भेज सके।

यह ऐप जीपीएस के माध्यम से स्थान की पहचान करेगा और रोड बनाने वाले विभाग को शिकायत के संबंध में सूचित करेगा। उपराज्यपाल ने लोक निर्माण विभाग की सड़कों के गड्ढों की मरम्मत, बारापुल्ला-फेज-तीन फ्लाईओवर का निर्माण, सावित्री फ्लाईओवर के पास की सड़क को चौड़ा करना और सेन्ट्रलवर्ज पर हरियाली के काम की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता की जिसमें लोक निर्माण मंत्री सत्येन्द्र जैन, लोक निर्माण विभाग के प्रधान सचिव रेणू शर्मा, पर्यावरण सचिव, परिवहन आयुक्त, डीडीए के प्रधान आयुक्त व दिल्ली पुलिस (यातायात) के विशेष आयुक्त शामिल थे।

उपराज्यपाल ने कहा कि अन्य सड़क बनाने वाले विभाग जैसे स्थानीय निकाय, डीडीए, एनएचएआई, एनडीएमसी और दिल्ली कंटोनमैन्ट बोर्ड आदि अपने संबंधित क्षेत्रों में सेन्ट्रल वर्ज पर हरियाली के काम को तेजी से करें। उन्होने निर्देश दिए कि सभी स्थानीय निकाय, लोक निर्माण विभाग, डीडीए तथा अन्य विभाग एक ही प्रकार के मार्ग सूचक को लगाना, जैबरा क्रासिंग की पेंटिंग, लोहे की गिल्र लगाना आदि कायरे को एक समय सीमा के अन्दर पूरा करें।

सपा कार्यकर्ता आपस में भिड़े

प्रमुख दलों ने दाखिल किया पर्चा,

नई दिल्ली। कानपुर देहात में भाजपा विधायक मथुरा पाल के निधन के बाद खाली हुई सिकंदरा विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव हो रहा है। सोमवार को नामांकन के आखिरी दिन भाजपा, कांग्रेस और सपा के प्रत्याशियों ने अपना नामांकन कराया। भाजपा की ओर से दिवंगत विधायक मथुरा पाल के छोटे बेटे अजीत पाल ने अपना पर्चा दाखिल किया।

अजीत पाल ने पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों की मौजूदगी में अपना नामांकन कराया। इसके बाद सपा दावेदार सीमा सचान ने अपना पर्चा दाखिल किया। पार्टी द्वारा पूर्व में घोषित पवन कटियार भी कलेक्ट्रेट पहुंचे और नामांकन पत्र का दूसरा सेट दाखिल किया। लेकिन सपाइयों के पर्चा दाखिल करने में माहौल गरमा गया। इस मौके पर पवन न पार्टी प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम द्वार अधिकृत चुनाव निशान का पत्र दाखिल तो पार्टी की ही सीमा सचान ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिलेश यादव द्वारा स्वीकृत चुनाव निशान पत्र दाखिल किया। दोनों उम्मीदवार खुद को सपा का दोवदार बता रहे थे।

सपा के दो गुट भिड़े

बताया जा रहा है कि सपा ने पवन का टिकट निरस्त कर सीमा को फिर से पार्टी का उम्मीद्वार बना दिया। इसके बाद तो सपा दो गुटो में बंटती दिखाई दी। देर शाम को सपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए और मारपीट कर बैठे। इसी दौरान पूर्व सांसद राकेश सचान के करीबी ने एक कार्यकर्ता पर गन तान दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई तो पुलिस ने बवाल काट रहे लोगों पर हल्के बल का प्रयोग किया और गन तानने वाले आरोपी को हिरासत में लिया।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र विशेष कानून 2020 तक बढ़ाने को लिखा पत्र

नई दिल्ली। उत्तरी निगम के स्थायी समिति अध्यक्ष तिलकराज कटारिया ने कहा कि अनधिकृत निर्माण के संरक्षण के लिए विशेष प्रावधानों को विस्तार, 250 वर्गमीटर तक के प्लॉटों के समावेश, वर्तमान अधिकतम भूमि क्षेत्र को बढ़ाने व तल क्षेत्र अनुपात बढ़ाने के लिए केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर मामले में सहानुभूतिपूर्वक विचार कर राजधानीवासियों को राहत देने का अनुरोध किया है। कटारिया ने कहा कि वर्तमान में लागू राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली विशेष कानून 31 दिसम्बर को समाप्त हो जाएगा। 31 दिसम्बर 2020 तक विस्तारित करने का केन्द्र सरकार से अनुरोध किया गया है। जो कृषि उत्पाद अथवा डेयरी या मुर्गी पालन के लिए निर्मित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित है।

बोले उपराष्ट्रपति, हिन्दी के बिना हिन्दुस्तान का विकास संभव नहीं,

कानपुर। उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि हिन्दी के बिना हिन्दुस्तान का विकास संभव नहीं है। जब मैं पढ़ रहा था तब हिन्दी विरोधी आंदोलन चल रहा था, मैंने पूछा हिन्दी कहां है। बताया गया कि रेलवे स्टेशन पर और डाकघर में। जब मैं 1993 में दिल्ली की राजनीति में आया तो हिन्दी का महत्व समझ पाया। हिन्दी बेसिक कल्चर ऑफ इंडियन पीपल, हिन्दी हमारी संस्कृति है। सोमवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्विवद्यालय के 19वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उप राष्ट्रपति ने कहा कि अंग्रेज हमारा पौरुष ही नहीं दिमाग भी खराब कर गए। हमारा पांच हजार साल पुराना इतिहास है। आजादी से पहले हमारी जीडीपी दुनिया में 27 प्रतिशत थी।

ब्रिटश हुकूमत की लूटपाट के चलते आज सात फीसदी से नीचे है। हमारी पद्धति, हमारी परंपरा, हमारी सोच कायम रहनी चाहिए। हिन्दी भारतीय सोच है और इसे कायम रखना होगा। उन्होंने कहा कि बाहर चाहे जो भाषा बोलें लेकिन घर में मातृ भाषा में ही बात करें। देश लगातार विकास के पथ पर है। आज विदेश से लोग हमारे यहां नौकरी के लिए आते हैं।

हिन्दुस्तान दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि आज लोग घरो में बच्चों को मम्मी, डैडी सिखाते हैं। यह हमारे समझ में नहीं आती। लोग अम्मा, अम्मी क्यों नहीं कहते।

अम्मा दिल से निकलता है और मम्मी का उचारण होठों से होता है। मातृ भाषा हमारा स्वाभिमान है। वेंकैया नायडू ने कहा कि दूसरी भाषा सीखने में कोई

बुराई नहीं है लेकिन मातृभाषा का कभी अपमान न करो।

कृषि क्षेत्र की चुनौतियां स्वीकार करें

उप राष्ट्रपति ने छात्रों को मेडल और डिग्री बांटने के बाद कहा कि कृषि क्षेत्र में कम चुनौतियां नही हैं। भावी पीढ़ी को इन चुनौतियों को स्वीकार करना होगा। हमे सोचना होगा कि किसान अपने बेटे को किसान क्यों नहीं बनाना चाहता। वजह साफ है कि खेती फायदे का सौदा नहीं रही। हमें ऐसे संसाधन विकसित करने होंगे कि कृषि रोजगार के अवसर पैदा कर सके। उन्होंने उदाहरण दिया कि अटल सरकार में जब मैं ग्रामीण विकास मंत्री था तो नेशनल हाईवे के 6 लेन, 4 लेन का प्रस्ताव आया था।

हमने अटल जी के सामने रखा कि ग्रामीण सड़कों को मुख्य मार्ग से जोड़े बगैर देश का विकास नही हो सकता। इसके बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना शुरू की गई।

कृषि क्षेत्र संकट के दौर में

वेंकैया नायडू ने कहा कि कृषि क्षेत्र संकट के दौर में हैं। यदि हमने अभी से प्रयास नहीं किए तो संकट और गहराएगा। मैं मंत्रियों से भी बात करुंगा कि कृषि पाठ्यक्रम में मौजूदा समय के मुताबिक बदलाव होना चाहिए। कृषि क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए स्वायल टेस्टिंग की व्यवस्था हो।

किसानों के लिए मार्केट मुहैया कराई जाए। किसानों को जरूरी संसाधन मुहैया कराए जाएं। अनुसंधान, वैज्ञानिक इनोवेशन होना चाहिए। इसमें शिक्षकों का बड़ा योगदान है। हम वेकास बैठें, ऐसे नहीं चलेगा। जल संरक्षण, पर्यावरण के अनुकूल फसलें विकसित करना होगा। तभी देश और कृषि क्षेत्र की तरक्की संभव है।

कृषि के विकास के लिए नई सोच विकसित करें

छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि हमें सोचना होगा कि कृषि क्षेत्र का विकास कैसे होगा। इसके लिए हमें नए आइडिया, नए इनोवेशन करने होंगे। कृषि को रोजगारपरक बनाने के लिए कृषि उत्पादों की मार्केटिंग की व्यवस्था करनी होगी। उनकी बर्बादी रोकने के सस्ते और टिकाऊ इंतजाम करने होंगे। अभी किसान के खेत में टमाटर की कीमत एक रुपए किलो होती है और आम जनता 20 से 22 रुपए खरीदती है। ऐसा क्यों है कि किसान की उपज का उसे उचित मूल्य नहीं मिलता। हमें इस पर भी सोचना होगा। यदि कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था होती तो किसान एक रुपए में टमाटर क्यों बेचता। एक रुपए किलो वाले टमाटर का कैचअप तैयार कर कंपनियां लाखों-करोड़ों का मुनाफा कमाती हैं।

राम पर अब बहस क्यों

उप राष्ट्रपति ने कहा कि इतने साल बाद बहस शुरू हुई कि राम क्या हैं। यदि राम नहीं होते तो रामनाथ कोविंद, राम सेवक, राम गोपाल, राम नाईक नाम नहीं रखे गए होते। अलग-अलग वेष-वूषा होने के बावजूद पूरा देश एक है।

पिछले दिनों कुछ विश्वविवद्यालयों हुए आंदोलन का जिक्र करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि देश में 760 विश्वविद्यालय हैं। 6-7 विश्वविद्यालयो में अशांति से कुछ नहीं होता।

किसी का नाम लिए बगैर कहा कि पिछले दिनों एक विश्वविद्यालय में अफ जल गुरु के अधूरे सपने को पूरा करेंगे जैसे नारे लग रहे थे। हम उनसे पूछना चाहते हैं कि अफजल गुरु ने तो भारतीय संसद पर हमला किया था। उन्होंने जिसे अधूरा छोड़ा है उसे पूरा करना चाहते हैं। सभी को कानून व्यवस्था का पालन करना चाहिए।

वंदे मातरम पर आपत्ति क्यों

उप राष्ट्रपति ने सवाल उठाया कि कुछ लोगों को वंदे मातरम पर आपत्ति है। ऐसे लोगों से पूछा जाना चाहिए कि भारत माता की जय बोलने में क्या आपत्ति है। सबकी जय हो यही तो भारत माता की जय है। भारतीय संस्कृति के प्रति भक्ति भावना होनी चाहिए। यही देश की विशेषता है।

सफलता का कोई शार्टकट नहीं: रामनाईक

इससे पहले समारोह के अध्यक्ष राज्यपाल रामनाईक ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा की गाड़ी अब कुछ पटरी पर आई है। सीएसए की दीक्षांत में 430 को मेडल और डिग्री दी गई। इसमें 337 छात्र और 97 छात्राएं हैं। जब हम मेडल पाने वालों की मेडल की बात करते हैं तो 17 लड़कियों ने मेडल हासिल किया और 14 छात्रों को मेडल मिले। यह औसत 45 और 55 फीसदी का है। हम छात्र-छात्रओं से अपेक्षा करते हैं कि ज्ञान संकलन, अनुसंधान जारी रहे। सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता। असफलता से भी निराश होने की जरूरत नहीं बल्कि उसके कारण खोजो।

आपको देश, समाज का ख्याल रखना होगा। उन्होंने अपनी पुस्तक चरैवेति-चरैवेति का भी उल्लेख किया। कहा कि इसका मतलब चलते-चलते रहो।

समारोह में 31 छात्रों को मेडल तथा उत्थान इलाहाबाद के महानिदेशक प्रो. डॉक्टर एमपी पांडेय तथा आईसीएआर नई दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ. नरेंद्र सिंह राठौड़ को मानद उपाधि दी गई। मंच पर सांसद डॉ. मुरली मनोहर जोशी, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, रजिस्ट्रार डॉ. राजेंद्र सिंह मौजूद थे। कुलपति प्रो. सुशील सोलोमन ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट पेश की।

उत्तरदायित्व का ज्ञान बहुधा हमारे संकुचित विचारों का सुधारक होता है प्रेमचंद

फरोजशाह कोटला मैदान

भारत और श्रीलंका के बीच राजधानी के फिरोजशाह कोटला मैदान पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय कप्तान विराट कोहली छह दोहरे शतक लगाने वाले पहले कप्तान बन गए। लेकिन सुर्खियों में उनका प्रदर्शन होकर प्रदूषण रहा। श्रीलंकाई कोच निक पोथास ने खेल रुकने के बाद अंपायरों नाइजल लोंग और जोइल विल्सन के साथ मैच रेफरी डेविड बून से यह कहा कि हमारे पास मैदान में उतारने के लिए फिट 11 खिलाड़ी ही नहीं हैं। मैच संचालकों के सामने यह अभूतपूर्व स्थिति थी और आईसीसी नियमों में भी ऐसी स्थिति से निपटने के लिए बहुत कुछ नहीं कहा गया है। इसलिए वह समझ नहीं पा रहे थे कि खेल शुरू कराने के लिए क्या किया जाए। इस स्थिति में विराट कोहली ने संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए भारत की पारी घोषित कर दी। श्रीलंका के तीन खिलाड़ी चोटिल थे और दो तेज गेंदबाज वांस लेने के दिक्कत होने की वजह से ड्रेसिंग रूम में लौट गए थे। श्रीलंका के कोच निक पोथास ने अपने क्रि केटरों के मैदान से बाहर आकर इस प्रदूषण की वजह से उल्टियां करने की बात कहने से बात गंभीर दिखती है। लेकिन जवाब में बीसीसीआई अधिकारियों का यह कहना कि जब दर्शक दीर्घा बैठे 20000 दर्शकों को कोई दिक्कत नहीं हो रही है तो श्रीलंका इसे मुद्दा क्यों बना रही है। यह भी कहा गया कि जब विराट कोहली बिना किसी दिक्कत के दो दिन बल्लेबाजी कर सकते हैं तो श्रीलंकाई खिलाड़ियों को क्यों दिक्कत हो रही है? यह सब कहने की कोई तुक नजर नहीं आती है। इस घटना के समय कोटला मैदान पर हवा की क्वालिटी का इंडेक्स 240 था और प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड के मुताबिक इस स्थिति में गहन शारीरिक गतिविधियां करना नुकसानदायक है। राजधानी में स्मॉग की स्थिति जाड़ों में अक्सर ही खराब रहती है। अभी कुछ दिनों पहले ही स्थिति इतनी खराब थी कि छोटे बच्चों के स्कूल बंद कर दिए गए थे और कहा गया था कि इन दिनों सुबह टहलने से बचें। वैसे भी एक तेज गेंदबाज को गेंदबाजी करने में बहुत ताकत लगानी पड़ती है, ऐसे में श्रीलंका के तेज गेंदबाजों को वांस लेने में दिक्कत महसूस करना संभव है। यह मैच तो किसी तरह चलता रहा। लेकिन इससे राजधानी की आबोहवा को लेकर ऐसा लगने लगा है कि हालात ऐसे ही रहे तो वह दिन दूर नहीं, जब यहां अंतरराष्ट्रीय खेलों के आयोजन करने में आयोजक कतराने लगेंगे।

औपचारिकता

राहुल गांधी ने एक ओर कांग्रेस अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए नामांकन पत्र भरा। दूसरी ओर गुजरात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी तीखी आलोचना की। वस्तुत: प्रधानमंत्री का पूरा फोकस कांग्रेस में वंशवादी नेतृत्व पर था। वे यह बताना चाह रहे थे कि जिस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नहीं होगा वहां ऐसा ही होता है। लेकिन प्रधानमंत्री यदि राहुल गांधी या नेहरू-इंदिरा वंश की तुलना शाहजहां और औरंगजेब से नहीं करते तो अच्छा होता। किंतु कांग्रेस इस सच्चाई को नकार नहीं सकती कि अगर राहुल गांधी उस वंश के वारिस नहीं होते तो उन्हें अध्यक्ष पद के लिए इतना व्यापक समर्थन पार्टी में नहीं मिलता। जहां तक आंतरिक लोकतंत्र का प्रश्न है तो भारत में आज शायद ही ऐसी कोई पार्टी है जिसमें पूरे लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव होते हैं। भाजपा भी इसका अपवाद नहीं है। हर पार्टी में चुनाव होता है, लेकिन यह केवल औपचारिकता मात्र है। किसी पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यों से नामित होकर नहीं आते हैं। पहले अध्यक्ष का नाम तय हो जाता है और संविधान के अनुरूप उसका केवल अनुमोदन कराया जाता है। राहुल गांधी के नाम का प्रस्ताव भी ज्यादातर राज्यों से आ गया है। इस नाते कांग्रेस भी कह सकती है कि राहुल चुनाव प्रक्रिया से यहां तक पहुंचे हैं। किंतु सच यही है कि उनका नाम पहले से तय था राज्यों को केवल उनका नाम भेज देना था। किसी में इतना साहस नहीं था कि कोई और नाम भेज सके। भाजपा के अमित शाह आज अध्यक्ष हैं, उनका भी बाकायदा निर्वाचन हुआ है। लेकिन वह निर्वाचन भी ऐसा ही था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके अध्यक्ष बनने का निर्णय पहले किया और सारी संवैधानिक प्रक्रियाएं बाद में पूरी हुई। इसलिए देश की हर पार्टी को इस मामले पर आत्मचिंतन की आवश्यकता है। आखिर ऐसा क्यों हुआ है कि लगभग सारी पार्टियां आंतरिक लोकतंत्र से विरत हो चुकी हैं? चूंकि पार्टी में आतंरिक लोकतंत्र नहीं हैं, निर्धारित तरीके से चुनाव नहीं होते, इसलिए नेताओं में भी लोकतांत्रिक संस्कार घनीभूत नहीं होते। इसका शिकार हमारा लोकतंत्र भी हो रहा है। राहुल के अध्यक्ष पद पर चयन के साथ यदि आतंरिक लोकतंत्र पर ईमानदार बहस हो तो यह देश के भविष्य के लिए भी अच्छा होगा।

सत्संग

क्रोध

न मारा जा सकता है न जीता जा सकता है, केवल समझा जा सकता है और केवल समझ ही रूपांतरण लाती है, बाकी कुछ नहीं। तुम अपने भय को जीतने की कोशिश करोगे तो यह दबा रहेगा। भय को तुम दबा सकते हो। वह तब भी तुम पर हावी होगा, तुम पर कब्जा करेगा लेकिन ऐसे परोक्ष ढंग से कब्जा करेगा कि तुम्हें उसका पता भी न चले। लेकिन तब खतरा और भी गहरा हो जाएगा। तो भय को जीतना नहीं है। भय को तुम मार नहीं सकते क्योंकि उसमें एक प्रकार की ऊर्जा होती है और कोई भी ऊर्जा कभी नष्ट नहीं की जा सकती। क्रोध और भय, दोनों एक ही ऊर्जा के दो आयाम हैं। क्रोध आक्रामक है और भय अनाकगमक। तुम क्रोध में होते हो तो तुममें कितनी ताकत आ जाती है, ऊर्जा भर जाती है। क्रोध में होते हो तो एक बड़ी चट्टान भी उठाकर फेंक सकते हो; आम तौर पर उतनी बड़ी चट्टान तो तुम हिला भी नहीं सकते। तुम किसी भी चीज को नष्ट नहीं कर सकते, केवल उसका रूप बदल सकते हो। युगों-युगों से यही किया गया है-लोग भय को नष्ट करने की, क्रोध को, काम को, लोभ को और ऐसी कितनी ही चीजों को नष्ट करने की कोशिश करते रहे हैं। परिणाम क्या हुआ? मनुष्य उथल-पुथल हो गया है। कुछ भी नष्ट नहीं हुआ, सब कुछ वैसा का वसा है, बस चीजें उलझ गई हैं। कुछ भी नष्ट करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि पहली बात कुछ भी नष्ट किया ही नहीं जा सकता। तो फिर क्या करना है? भय को तुम्हें समझना है। भय क्या है? कैसे उठता है? कहां से आता है? उसका संदेश क्या है? बिना किसी पक्षपात के उसमें झांको, तभी समझ पाओगे? तुम्हारी पहले से ही धारणा बनी हुई है कि भय गलत है, कि भय नहीं होना चाहिए-''मुझे भयभीत नहीं होना चाहिए'-तब तुम उसमें झांक न पाओगे। भय का आमना-सामना तुम कैसे कर सकते हो? तुमने पहले से ही निर्णय ले लिया है कि भय तुम्हारा दुश्मन है, तो उसकी आंखों में तुम कैसे झांक सकते हो? तुम सोचते हो कि यह गलत चीज है तो तुम उससे बचकर निकलना चाहोगे, उसकी उपेक्षा करना चाहोगे। पहले सारे पूर्वाग्रह, सारी धारणाएं, पूरी निंदा को छोड़ो। भय एक तय है। उसका सामना करना है, उसको समझना है। और केवल समझ के द्वारा ही उसे रूपांतरित किया जा सकता है। वास्तव में समझने से ही वह रूपांतरित हो जाता है। बाकी कुछ और करने की जरूरत नहीं है; समझ ही उसे रूपांतरित कर देती है।

पेंशनभोगियों को पितृ तर्पण

केंद्र सरकार से सेक्शन आफिसर पद से रिटायर होने वाले कर्मी को मासिक 40 हजार रुपये से अधिक तक की मासिक पेंशन मिल जाती है। पीएफ, ग्रैच्यूटी, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज जैसे और दूसरे लाभ तो मिलते ही हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों से रिटायर कर्मियों का आंकड़ा बमुश्किल तीन-चार करोड़ होगा। इसमें केंद्र और राज्यों उपक्रमों में काम कर रहे या सेवानिवृत्त कर्मियों को जोड़ लें तो यह आंकड़ा पांच-छह करोड़ के आसपास हो जाता है। लेकिन, इनमें सबको पेंशन नहीं मिलती।

सतीश पेडणोकर

30 नवम्बर तक निजी क्षेत्र की कंपनियों से सेवानिवृत हो गए कर्मी अपने ही बैंकों के चक्कर काट रहे थे। इन बैंकों में उनकी सांकेतिक पेंशन आती है। दरअसल, इन्हें बैंकों में इसलिए जाना पड़ रहा था ताकि वहां पर जाकर बता सकें कि अभी भी जीवित हैं इस संसार में। यह एक वार्षिक कार्य है, जो इन पेंशनभोगियों को पितृ तर्पण की तरह हर साल करना ही पड़ता है। इन सभी को मिलती है मासिक 1250 से लेकर 10 हजार रुपये तक की पेंशन। समझ सकते हैं कि इतनी कम राशि में अपने और अपनी बूढ़ी औरत के लिए दाल-रोटी का इंतजाम करना भी असंभव है। दवा, कपड़ा और कमरे के किराये की तो बात न ही करें तो अच्छा होगा। हां, केंद्र और राज्य सरकारों के रिटायर कर्मियों को तो पेंशन अब संतोषजनक सी मिलने लगी है। केंद्र सरकार से सेक्शन आफिसर पद से रिटायर होने वाले कर्मी को मासिक 40 हजार रुपये से अधिक तक की मासिक पेंशन मिल जाती है। पीएफ, ग्रैच्यूटी, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज जैसे और दूसरे लाभ तो मिलते ही हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों से रिटायर कर्मियों का आंकड़ा बमुश्किल तीन-चार करोड़ होगा। इसमें केंद्र और राज्यों उपक्रमों में काम कर रहे या सेवानिवृत्त कर्मियों को जोड़ लें तो यह आंकड़ा पांच-छह करोड़ के आसपास हो जाता है। लेकिन, इनमें सबको पेंशन नहीं मिलती। इनको तो एक तरह से कुछ न कुछ सामाजिक सुरक्षा मिल रही है। पर बाकी की स्थिति तो दिन-ब-दिन बद से बदतर ही होती जा रही है। निजी क्षेत्रों में तो छोड़ ही दें, ज्यादातर सरकारी विभागों और उपक्रमों में भी अब ठेके पर ही कर्मियों को रखा जा रहा है। ज्यादातर को उनकी रिटायरमेंट से पहले ही चलता कर दिया जाता है। वरिष्ठ नागरिक होने पर वे तिल-तिल को मोहताज हो जाते हैं। सबसे विकट स्थिति है देश में असंगठित क्षेत्रों से जुड़े करोड़ों कामगारों की। इनकी सामाजिक सुरक्षा के बारे में क्या कोई सोच रहा है? इनकी छत, भोजन, बीमार होने पर दवाई वगैरह की व्यवस्था किस तरह से होती है? स्वास्य देखभाल और बुढ़ापा पेंशन जैसे सामाजिक सुरक्षा के लाभ संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को ही मिलते हैं। गैर-संगठित क्षेत्र में काम करने वालों की बात करें तो इन्हें सही तरह से सरकारी योजनाओं के लाभ तक नहीं मिल पाते। देश की कुल श्रम शक्ति का 90 फीसद हिस्सा असंगठित क्षेत्रों से ही जुड़ा है। साठ साल की उम्र के बाद इनका क्या होता होगा? एक बढ़िया सरकारी योजना मोदी सरकार लाई है, ''अटल पेंशन योजना'। लेकिन इसका लाभ सिर्फ कामगार ही ले सकता है, वह भी सिर्फ अपने लिए। उसके पास न तो अतिरिक्त पैसा होता है न ही इतने साधन या समय कि योजना का लाभ लेने के लिए चक्कर काटे या सालाना नवीनीकरण करवाए। कुछ बड़े संस्थानों ने पैसे देकर अपने कर्मचारियों को इस योजना का लाभ देना भी चाहा तो नियम आड़े आ गया। तीन साल तो हो गए सरकार में फाइलें ऊपर नीचे हो रही हैं। लेकिन इसकी लाभ संस्थाओं को क्यों नहीं मिलना चाहिए, इसके तर्क ही ढूंढ़े जा रहे हैं अब तक। बाबू को तो पेंशन मिलनी ही है, दूसरों को क्यों न मिले, इसके लिए अपनी बाबूगिरी का पूरा उपयोग कर रहे हैं। आपने भी गौर किया होगा कि हमारे यहां युवा शक्ति की र्चचा बहुत होती है। इसमें कोई बुराई भी नहीं है। परंतु इस क्रम में उनकी अनदेखी न हो जिन्होंने जीवन भर देश के लिए दिन-रात एक किया। बुजुगरे की आबादी भी तेजी से बढ़ रही है, इसलिए उनके अनुकूल स्थितियां बनानी होंगी। बुजुगरे को अलग-थलग या उपेक्षित तो नहीं छोड़ा जा सकता। पिछले एक दशक में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या में 39.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, और देश की आबादी में इनकी हिस्सेदारी वर्ष 2001 के 6.9 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर वर्ष 2011 में 8.3 प्रतिशत हो गई है।बेशक, सरकार के अनेक सामाजिक सुरक्षा के कार्यक्रम चल रहे हैं, लेकिन इनके लाभार्थी सीमित ही हैं। इनमें असंगठित क्षेत्र के बहुत कम कामगार या उनके परिवार लाभार्थियों में शामिल हो पाते हैं। गैर-संगठित क्षेत्र के श्रमिकों और उनके आश्रितों को बीमारी, अधिक उम्र, दुर्घटनाओं या मृत्यु के कारण बेहद गरीबी का सामना करना पड़ता है। आप गांव-देहात या छोटे शहरों को छोड़िए, अपने आसपास रहने वाले बुजुगरे से उनकी आय के संबंध में बात कर लीजिए। पाएंगे कि 10 में से 8 की नियमित आय का कोई स्रेत नहीं है। वे पूरी तरह से परिवार पर निर्भर हैं। चूंकि आर्थिक रूप से स्वावलंबी नहीं है, इसलिए उन्हें घर में भी दुत्कार ही मिल रही है और बाहर भी। किसी शख्स के दो या तीन पुत्र हैं, तो वे उनके पास बारी-बारी से रहने के लिए अभिशप्त हैं। बहुत ही कम ऐसे परिवार हैं, जहां बुजुगरे को इज्जत से रोटी नसीब है। बड़े शहरों में ओल्डएज होम खुल रहे हैं। लेकिन इनमें वे ही रह सकते हैं, जिनकी माली हालत ठोस है। यदि वे बीसेक हजार रु पया हर माह खर्च करने के लिए तैयार हैं तब तो उनकी गुजारा है, वरना नहीं। बुजुगरे या यों कहें कि 60 साल से अधिक उम्र की आबादी के संबंध में कुछ चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में डेढ़ करोड़ बुजुर्ग बिल्कुल अकेले जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इनमें तीन-चौथाई आबादी औरतों की है। ग्रामीण भारत के 32.5 फीसद घरों में कम से कम एक बुजुर्ग तो है ही। जबकि शहरी भारत में यह संख्या 29 फीसद ही रह जाती है। ग्रामीण भारत में 28 लाख महिलाएं अकेले रह रही हैं। शहरों में यह संख्या 8.2 लाख है। जरा सोचिए, इन अकेले जीवन यापन करने वाले बुजुगरे का जीवन कितना कठिन होगा। यह तो मैं नहीं कह रहा कि देश इन बुजुगरे को लेकर संवेदनहीन रुख अपनाए हुए है। इनकी सुख-सुविधा के लिए अनेक तरह के कदम भी हाल के वर्षो में उठाए गए हैं। लेकिन आवश्यकता इस बात की है कि सरकार और समाज हरेक बुजुर्ग के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों में देश के दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले बुजुगरे को कम से कम छत, दवाई, भोजन की व्यवस्था तो अवश्य ही हो।

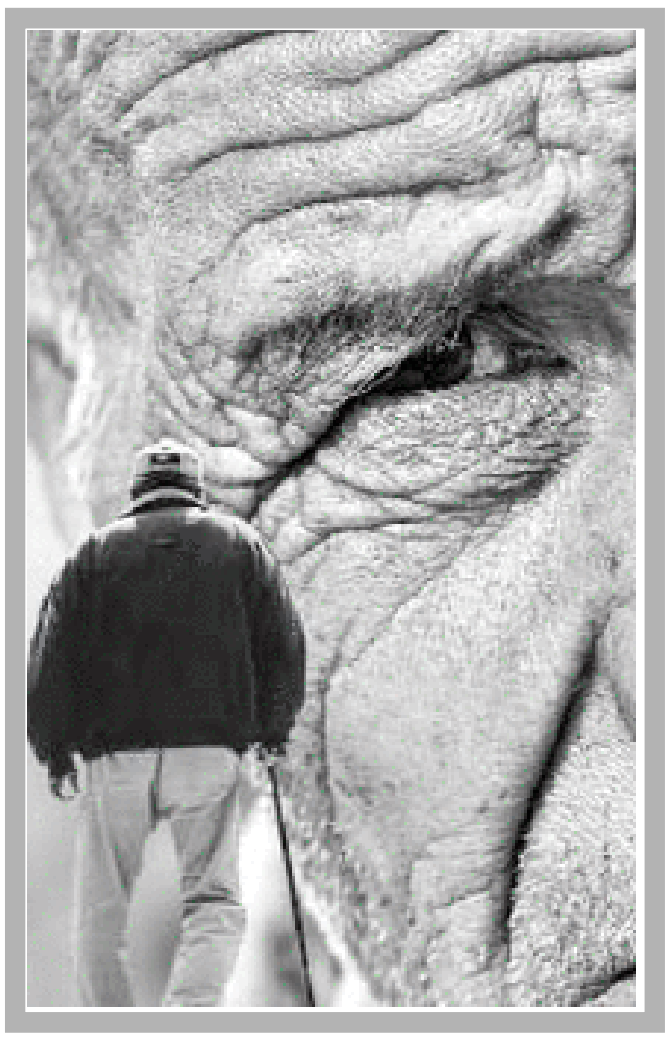

चलते चलते

फोर्ब्स की लिस्ट

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी विकास दर बढ़कर 6.3 प्रतिशत हो गई। जो बंदे या बंदी चालू हैं, उनकी विकास दर इससे भी बहुत ज्यादा रही होगी। इधर, तरह-तरह की आर्थिक खबरें आती हैं। कई बार लगता है कि इनसे हमारा रिश्ता क्या है। फोर्ब्स की लिस्ट में इतने अरबपति भारत के। मतलब क्या इन खबरों से नॉन-अरबपतियों को प्रेरित होना चाहिए और लग जाना चाहिए अरबपति बनने। लखपति बनने की कोशिश भी कामयाब न होने देते तमाम कंपनी वाले। एक बार बीस हजार रुपये पड़े थे मेरे पास, इतने इश्तिहार आए कि बीस हजार देकर बाकी की नब्बे हजार की रकम ईएमआई में दे दो और वो वाला मोबाइल ले लो। घरवालों ने मार मचा दी कि ले वो वाला मोबाइल, बीस हजार मेरे निकल गए। उस उद्योगपति के पास पहुंच गए, जिसका नाम अरबपतियों की लिस्ट में था। अरबपति कोई कैसे बन जाता है, क्योंकि वह बीस हजार उसकी जेब से निकाल लेता है, जो खुद लखपति बनने की आकांक्षा पाले हुए था। कोई अरबपति बने, इसके लिए जरूरी है कि कोई किसी की जेब में बीस हजार न रहें।मेरी न बढ़ी इनकम, 6.3 प्रतिशत जीडीपी कैसे बढ़ गई देश की। क्या मैं देश में नहीं हूं। मैं समझाता हूं खुद को बेटे बढ़ोतरी वाला देश तेरा न है। बढ़ोतरी वाला देश कोई और है, कहीं और रहता है। मैं बढ़ोतरी तो दूर, पुरानी इनकम बनी रहे, इस पर ही परेशान रहता हूं। नत्थू पकौड़ीवाला इस परेशानी में न रहता, यद्यपि वह ग्रेटर कैलाश में भी नहीं रहता। उसने पकौड़ी के रेट दस प्रतिशत बढ़ा दिए। पब्लिक पकौड़ी के रेट बढ़ा कर दे दे देती है, लेखक किताबों के पांच परसेंट रेट बढ़ाकर मांग ले, तो पाठक लेने से इनकार देता है। हिंदी के लेखक की जीडीपी उसके शालों से नापी जाए, जो हर साल करीब दस परसेंट बढ़ जाती है। बाकी दुनिया भर के पेशों की जीडीपी रकम की शक्ल में बढ़ती है, हिंदी के लेखक की जीडीपी शाल में बढ़ती है। किसी को कुछ रकम मिल जाए, तो वह उसे बाजारू घोषित कर देते हैं, जिन्हें अपनी किताब भी रकम देकर छपवानी पड़ती है। हिंदी का लेखक कुछ रकम भी इस तरह से अंदर करता है, मानो कहीं से जेबकटी कर ली हो।

बंदे या बंदी चालू हैं, उनकी विकास दर इससे भी बहुत ज्यादा रही होगी। इधर, तरह-तरह की आर्थिक खबरें आती हैं। कई बार लगता है कि इनसे हमारा रिश्ता क्या है। फोर्ब्स की लिस्ट में इतने अरबपति भारत के। मतलब क्या इन खबरों से नॉन-अरबपतियों को प्रेरित होना चाहिए और लग जाना चाहिए अरबपति बनने। लखपति बनने की कोशिश भी कामयाब न होने देते तमाम कंपनी वाले। एक बार बीस हजार रुपये पड़े थे मेरे पास।

मुद्दा

पंचायतों और स्थानीय चुनाव

वर्तमान में यह एक मजबूत तर्क स्थापित हुआ है कि पंचायतों और स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने की पात्रता शैक्षणिक योग्यता से निर्धारित हो सकती है, तो संसद और विधान सभाओं के लिए क्यों नहीं? गुजरात निकाय चुनाव, राजस्थान और हरियाणा पंचायत चुनाव में प्रत्याशी की शैक्षणिक योग्यता तय किए जाने के पश्चात अब संसद और विधान सभाओं में चुनाव लड़ने के लिए भी उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता तय करने की मांग बलवती होने लगी, क्योंकि इन प्रावधानों का लाभ उन सभी राज्यों के पंचायत और निकाय चुनावों में देखने को मिला है, जहां इस तरह की व्यवस्था की गई है। बीते कुछ वर्षो से सांसदों और विधायकों के लिए शैक्षणिक योग्यता तय करने की मांग विभिन्न मंचों से लगातार उठती रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर कहा है कि देश में विधायक और सांसद पढ़े-लिखे लोग बनेंगे तो देश का अभूतपूर्व विकास संभव होगा। लेकिन देश की अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, और अधिकांश ग्रामीण निरक्षर हैं। इसलिए पहले यह जरूरी है कि हम शिक्षा व्यवस्था को दुरु स्त और गुणवत्तापूर्ण कर लें। कई सांसद ऐसे भी हैं, जो संसद की कार्यवाई में बिल्कुल शांत और निरीव बने रहते हैं। संसद को बौद्धिक और आदर्श स्थिति में लाने के लिए कई संस्थान और संगठन लगातार प्रयास कर रहे हैं। फलस्वरूप निजी विधेयक पेश करने की संख्या बढ़ी है, और संसदीय प्रश्नों की गुणवत्ता भी बढ़ी है। इन सबके बावजूद बहुत सारे हितबद्ध समूहों द्वारा शैक्षणिक योग्यता के प्रावधानों के खिलाफ इस तरह की दलीलें भी दी जाती हैं कि ऐसा जरूरी होता तो संविधान निर्माण के समय ही ऐसा प्रावधान किया जाता। किन्तु स्वतन्त्रता प्राप्ति के समय के भारत की तुलना आज के वैश्वीकृत भारत से करें तो इसका उत्तर हमें मिल जाएगा। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत विश्व मानिचत्र पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्शाता है, ऐसे में हमें अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था को निरंतर परिष्कृत करते रहना होगा। लंबे समय से लोकतांत्रिक सुधारों के प्रति जनता बेहतर प्रावधानों की मांग करती रही है। इनमें राजनीति में अपराधियों को रोकने से लेकर जनप्रतिनिधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार और उनसे नाखुश होने की स्थिति में उन्हें वापस बुलाने का अधिकार तक शामिल हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद लोकतंत्र की इस पवित्र व्यवस्था में अपराधियों के प्रवेश को पूरी तरह से रोक पाने में हम सफल नहीं हो सके हैं। एसोसिएशन फॉर डेमक्रेटिक रिफॉम्स (एडीआर) के मुताबिक 16 वीं लोक सभा में चुने गए कुल प्रत्याशियों में से 34 प्रतिशत यानि कुल 185 सांसदों पर आपराधिक मामले लंबित हैं। हालांकि राजनीति में दागियों के प्रवेश और प्रभाव को रोकने के प्रति सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग काफी गंभीर रहे हैं। विस्तृत रूप से लोकतांत्रिक सुधारों की बात करें तो काफी कुछ करने की जरूरत है। राजनीति में अपराधियों को आने से रोकने का आरंभिक प्रयास एडीआर ने किया। उसने जनिहत याचिका दायर की जिस पर 2 नवम्बर, 2001 को दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक फैसला दिया कि लोक सभा या राज्य विधानसभा के प्रत्याशी सार्वजनिक रूप से इस बात की घोषणा करें कि उन पर कोई आपराधिक मामला है कि नहीं। न्यायालय के इन फैसलों से भारत में वास्तविक और जिम्मेदार लोकतंत्र की वापसी का संकेत मिला है। किंतु यह काफी नही है, वर्तमान की राजनीतिक दशा और दिशा को ध्यान में रखते हुए हमें और भी व्यापक प्रयास करने की जरूरत है। जनता को भले ही नकारात्मक मत देने का अधिकार दे दिया जाए किन्तु जब तक जनता अपने इन अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं होगी, यह अधिकार किसी काम का नहीं है। वर्तमान में लोकतंत्र के मार्ग की बाधाओं और मतदाताओं के अधिकारों को सुनिश्चित करना भी हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इसी कड़ी में सांसदों के लिए तय शैक्षणिक योग्यता का मानक स्थापित हो तो इन समस्याओं का भी समाधान संभव है।

उत्साहजनक संकेत

कुछ समय पहले विश्व बैंक की ईज ऑफडूइंग बिजनेस (कारोबार में आसानी) सूची में भारत ने 30 पायदान की जबरदस्त छलांग लगाई। उसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत का दर्जा बढ़ाया। फिर एक दूसरी रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ने हालांकि दर्जा तो नहीं बढ़ाया, लेकिन यह माना कि भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत है। जब आधार सशक्त हो, तो अर्थव्यवस्था का विकसित होना स्वाभाविक परिणाम होता है। इस बीच आर्थिक विकास दर में उतार-चढ़ाव सामान्य बात होती है। इसलिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में कभी गिरावट आए, तो यह मातम का विषय नहीं होना चाहिए। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सियासी होड़ में जुटे विरोधी दल या नेता ऐसे मामलों पर भी दीर्घकालिक नजरिया नहीं अपनाते। इसके बजाय वे ऐसे राजनीतिक कथानक बनाने में जुटे रहते हैं, जिससे सरकार को नाकाम बताया जा सके।

ऐसा ही तीन महीने पहले हुआ, जब केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (सीएसओ) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के आर्थिक आंकड़े जारी किए। तब जीडीपी की विकास दर गिरकर 5.7 फीसदी पर आ गई। विपक्ष ने इसे नोटबंदी का नतीजा बताया। इस आधार पर केंद्र को घेरने की कोशिश की गई। लेकिन वो रणनीति अब मुंह के बल आ गिरी है। सरकार लगातार लोगों को आश्वस्त कर रही थी कि जल्द ही अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट आएगी। अब कहा जा सकता है कि ऐसा होने की मजबूत शुरुआत हुई है। गुरुवार शाम सीएसओ ने दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के आंकड़े जारी किए, तो सामने आया कि आर्थिक विकास दर 6.3 प्रतिशत पर पहुंच गई है। जिन क्षेत्रों में 6 फीसदी से ज्यादा वृद्धि दर्ज हुई, उनमें मैन्युफैक्चरिंग (कारखाना), बिजली, गैस, जल आपूर्ति, होटल, परिवहन एवं संचार तथा प्रसारण से जुड़ी सेवाएं शामिल हैं।

इनका विश्लेषण करें तो जाहिर होगा कि उत्पादन और उपभोग, दोनों ही मामलों में अर्थव्यवस्था आगे बढ़ी है। अनेक अर्थशास्त्री मानते हैं कि ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन (अचल पूंजी में हुए धन का निवेश) अर्थव्यवस्था की सेहत का जीडीपी विकास दर से कहीं अधिक वास्तविक सूचकांक है। इस कसौटी पर भी देखें, तो इसके चालू एवं नियत मूल्यों पर क्रमश: 6.3 और 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। 2016-17 की दूसरी तिमाही में यह 2.9 और 3.0 फीसदी रहा था। तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि अर्थव्यवस्था को लेकर पिछले तीन महीने से जारी चर्चाओं की दिशा अब बदल जाएगी। गुजरात विधानसभा चुनाव से ठीक पहले ऐसा होना सत्ताधारी भाजपा के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। कांग्रेस ने वहां नोटबंदी और जीएसटी के कारण पेश आई कथित दिक्कतों और आर्थिक गिरावट को केंद्र में रखकर अपने चुनाव अभियान का कथानक बुना। अब इसका आधार ही खिसक गया है। बहरहाल, राजनीतिक लाभ-हानि के बजाय देश के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए इस अच्छी खबर पर बात होनी चाहिए। ये दरअसल हम सबकी खुशहाली की खबर है। वैसे सरकार के लिए अभी चैन से बैठने का वक्त नहीं आया है। आठ प्रतिशत से ज्यादा आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने का उसका घोषित लक्ष्य अभी भी दूर है।

गोल्फ विश्व कप 2018 में मेलबर्न में होगा

सिडनी। गोल्फ विश्व कप लगातार तीसरी बार मेलबर्न में 2018 में खेला जायेगा जिसमें 28 टीमें मेट्रोपोलिटन क्लब में खेलती नजर आयेंगी। इसके आयोजकों ने इसकी घोषणा की। अमेरिका पीजीए टूर आयुक्त जे मोनाहान ने कहा, ''हम मेट्रोपोलटन गोल्फ क्लब के इस ऐतिहासिक टीम टूर्नामेंट के लिये हामी भरने की प्रशंसा करते हैं। ''डेनमार्क अगले साल 21 से 25 नवंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के 59वें चरण में अपना खिताब बरकरार रखने की कोशिश करेगा जिसमें दो गोल्फरों की 28 टीमें अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह ओलंपिक के अलावा एकमात्र ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें शीर्ष गोल्फरअपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं।

विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने कार्लसन से भी बाजी ड्रा खेली

लंदन। भारतीय स्टार और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने भी अन्य खिलाड़ियों की तरह किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझा और लंदन शतरंज क्लासिक में विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन के खिलाफ तीसरे दौर की बाजी भी ड्रा खेली। इस टूर्नामेंट में दुनिया के चोटी के दस खिलाड़ी भाग ले रहे हैं और लगातार तीसरे दिन सभी बाजियां बराबरी पर छूटी। इससे सभी खिलाड़ियों के नाम पर संभावित तीन में से 1.5 अंक दर्ज हैं। नार्वे के दिग्गज कार्लसन के खिलाफ आनंद काले मोहरों से खेल रहे थे और ये दोनों खिलाड़ी 31वीं चाल के बाद बाजी ड्रा कराने पर सहमत हो गये। आनंद का अगला मुकाबला आर्मेनिया के लेवोन आरोनियन से होगा। आरोनियन ने अपनी तीसरी बाजी रूस के सर्गेई कार्जाकिन के खिलाफ ड्रा खेली। तीसरे दौर की अन्य बाजियों में अमेरिका के हिकारू नकामुरा ने हमवतन वेस्ली सो, रूस के इयान नेपोमनियाची ने अमेरिका के फैबियानो कारूआना और इंग्लैंड के माइकल एडम्स ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर लाग्रेव के साथ अंक बांटे।

यूसैन बोल्ट ने किया अपनी ही प्रतिमा का अनावरण

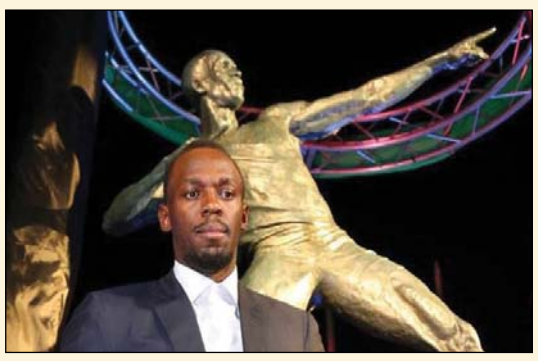

किंग्सटन। धरती के सबसे तेज धावक के नाम से मशहूर जमैका के यूसैन बोल्ट ने किंग्सटन नेशनल स्टेडियम के सामने अपनी प्रतिमा का अनावरण किया है। जमैकन सरकार और प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने देश के सबसे मशूहर और सफल एथलीट बोल्ट की इस प्रतिमा को स्थापित करने में मदद की। इस प्रतिमा को ठीक उसी जगह स्थापित किया गया है जहां 15 वर्ष पहले बोल्ट ने अपनी जूनियर चैंपियनशिप जीतकर दुनियाभर में नई पहचान बनाई थी। बीजिंग, लंदन और रियो लगातार तीन ओलंपिक में तिहरे स्वर्ण पदक धारी एथलीट ने कहा मेरे लिए यह सबसे ऊपर है। मेरे कॅरियर में इससे अच्छा पल कभी नहीं आया। जिस स्टेडियम से कॅरियर की शुरूआत हुई थी उसी में अपनी प्रतिमा को देखना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मेरे पास शब्द नहीं है। मैं बहुत खुश हूं और उत्साहित भी हूं। 31 वर्षीय बोल्ट की इस प्रतिमा को जमैका के कलाकार बासिल वाटसन ने तैयार किया है और इसे बोल्ट के बहुचर्चित पोज 'लाइटनिंग बोल्ट'के आधार पर ही तैयार किया गया है। जमैकन धावक को उनके 100 और 200 मीटर ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिपों में रेस जीतने के बाद इसी स्टाइल में जश्न मनाते देखा गया है। बोल्ट ने करियर में 11 विश्व और आठ ओलंपिक पदक जीते हैं।

बेयरस्टो हुए भावुक, पिता के विकेटकीपिंग ग्लव्ज भेंट में मिले

एडिलेड। इंग्लैंड के जानी बेयरस्टो को यहां दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान एक आस्ट्रेलियाई प्रशंसक से बहुत ही भावनात्मक भेंट मिली जो उनके दिवंगत पिता के विकेटकीपिंग ग्लव्ज हैं। सोमवार को तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले उन्हें यह भेंट मिली जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह बहुत ही 'शानदार भेंट' है। बेयरस्टो के पिता 'डेविड' इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट विकेटकीपर थे, जिन्होंने आत्महत्या कर ली थी जब जानी आठ साल के थे। प्रशंसक एंड्रयू जोन्स ने एबीसी रेडियो से कहा, ''मैंने 39 वर्ष तक इन्हें (ग्लव्ज) को रखा। मेरी मां और पिता मुझे एडिलेड शापिंग सेंटर ले गये थे और इंग्लैंड की क्रिकेट टीम भी वहां मिलने के लिये आयी थी। उन्होंने एक छोटी सी क्विज खेली, उन्होंने पूछा कि इंग्लैंड का रिजर्व विकेटकीपर कौन था तो मैंने अपना हाथ उठाया और कहा 'डेविड बेयरस्टो' और उन्होंने मुझे एक जोड़ी ग्लव्ज हस्ताक्षकर करके दिये। '' उन्होंने कहा, ''मैंने पिछले 39 वर्षों से इन्हें एक बाक्स में सहेजकर रखा था। ''जोन्स ने कहा कि उन्होंने जानी बेयरस्टो से संपर्क किया और एडिलेड ओवल में उनसे मिलने का इंतजाम किया। उन्होंने कहा, ''मैं ग्लव्ज लेकर आया और उन्हें संदेश दिया कि मैं यहां हूं। वह दो मिनट बाद ही आ गये और हम आधे घंटे तक बैठे जो शानदार था। वह ग्लव्ज पाकर काफी भावुक हो गये थे। यह सचमुच बहुत प्यारा क्षण था। ''

भारत तीसरा टेस्ट जीतने से महज सात विकेट दूर

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों के आकर्षक अर्धशतकों के बाद रविंद्र जडेजा के दो विकेटों से भारत ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन आज यहां जीत की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। भारत ने श्रीलंका के सामने 410 रन का रिकॉर्ड लक्ष्य रखा जिसके जवाब में मेहमान टीम चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 31 रन बनाकर संघर्ष कर रही है। खराब रोशनी के कारण फिरोजशाह कोटला मैदान पर दिन का खेल 13 ओवर पहले खत्म किए जाने पर धनंजय डिसिल्वा 13 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि एंजेलो मैथ्यूज उनका साथ निभा रहे हैं जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है।

श्रीलंका ने दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाजों सदीरा समरविक्रम (05) और दिमुथ करूणारत्ने (13) के अलावा रात्रि प्रहरी सुरंगा लकमल (00) के विकेट गंवाए। समरविक्रम का मोहम्मद शमी (आठ रन पर एक विकेट) की गेंद पर स्लिप में अजिंक्य रहाणे ने आसान कैच लपका जबकि करूणारत्ने ने रविंद्र जडेजा (पांच रन पर दो विकेट) की गेंद पर विकेटकीपर रिद्धिमान साहा को कैच थमाया। जडेजा ने इसके बाद लकमल को भी बोल्ड किया। श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए अब भी 379 रन जबकि भारत को सात विकेट की दरकार है।

पहली पारी में 163 रन की बढ़त हासिल करने वाले भारत ने अपना 32वां जन्मदिन मना रहे सलामी बल्लेबाज शिखर धवन (67), कप्तान विराट कोहली (50), रोहित शर्मा (नाबाद 50) और चेतेश्वर पुजारा (49) की उम्दा बल्लेबाजी से दूसरी पारी पांच विकेट पर 246 रन बनाकर घोषित की। फिरोजशाह कोटला पर कोई टीम कभी चौथी पारी में 364 से ज्यादा रन नहीं बना पाई है। भारत ने दिसंबर 1979 में पाकिस्तान के खिलाफ छह विकेट पर 364 रन बनाए थे और यह मैच ड्रा छूटा था।

इस मैदान पर सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड भारत और वेस्टइंडीज के नाम दर्ज है जिन्होंने एक दूसरे के खिलाफ 276 रन के लक्ष्य को हासिल करते हुए समान पांच विकेट पर 276 रन बनाकर पांच-पांच विकेट से जीत दर्ज की थी। वेस्टइंडीज ने नवंबर 1987 जबकि भारत ने नवंबर 2011 में यह लक्ष्य हासिल किया। सुबह श्रीलंका की टीम पहली पारी में 373 रन पर सिमट गई जिससे भारत ने 163 रन की बढ़त हासिल की। श्रीलंका की तरफ से कप्तान दिनेश चांदीमल ने करियर की सर्वश्रेष्ठ 164 रन की पारी खेली जबकि कल एंजेलो मैथ्यूज ने 111 रन बनाए थे।

भारत की ओर से रविचंद्रन अश्विन (90 रन पर तीन विकेट) और इशांत शर्मा (98 रन पर तीन विकेट) ने तीन-तीन जबकि मोहम्मद शमी (85 रन पर दो विकेट) और रविंद्र जडेजा (86 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए। दूसरी पारी में भारत की शुरूआत खराब रही। मुरली विजय (09) ने सुरंगा लकमल के पारी के पहले ओवर में लगातार दो चौके मारे लेकिन इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में ऑफ साइड से बाहर की गेंद से छेड़छाड़ की कोशिश में विकेटकीपर निरोशन डिकवेला को कैच दे बैठे।

खराब फार्म से जूझ रहे रहाणे को टीम प्रबंधन ने तीसरे नंबर पर भेजा लेकिन वह सिर्फ 10 रन बनाने के बाद ऑफ स्पिनर दिलरूवान परेरा की गेंद को उठाकर मारने की कोशिश में लांग आन पर लक्षण संदाकन को कैच दे बैठे। मौजूद श्रृंखला में वह 4, 0, 2, 1 और 10 रन की पारियां खेलकर सिर्फ 17 रन बना पाए।

इस वजह से 2020 के पहले दिल्ली में नहीं होगा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच !

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) की रोटेशन नीति वह काम कर सकती है जो शायद श्रीलंकाई टीम की प्रदूषित हवा की शिकायतें नहीं कर सकीं और वह है कम से कम 2020 तक दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को दूर रखना। श्रीलंकाई खिलाडियों ने यहां भारत के खिलाफ चल रहे मौजूदा तीसरे व अंतिम टेस्ट में धुंध के कारण सांस लेने में समस्या की शिकायत की थी, जिससे वे मास्क पहनकर मैदान पर उतरे थे और इससे दिल्ली पर अंतरराष्ट्रीय खेल स्थल के रूप में सवाल उठने लगे।

बीसीसीआइ के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, %बीसीसीआइ प्रत्येक वर्ष फरवरी-मार्च तक विशेष घरेलू सत्र के लिए कोशिश कर रहा है। उन्हें यह समय नए भविष्य दौरा कार्यक्रम के अनुसार फरवरी-मार्च 2020 में ही मिलेगा। इसलिए फिरोजशाह कोटला 2020 से पहले टेस्ट मैच के आयोजन के लिए पंक्ति में शामिल हो सकता है या नहीं भी। रोटेशन नीति के अनुसार, कोटला को अब अपना टेस्ट मैच मिल गया है और नवंबर में इसे एक टी-20 मिल गया था। उसका मौका अगले साल तक नहीं आएगा, क्योंकि भारत के लिए शायद तब एक पूर्ण सीरीज होगी। अन्य स्थल भी अपने मौके का इंतजार कर रहे हैं। इसी तरह 2019 में, जब नया भविष्य दौरा कार्यक्रम शुरू होगा तो कोटला को दूसरा मैच मिलने में कुछ समय लगेगा।

श्रीलंका की शिकायत के अलावा पिछले महीने दिल्ली हाफ मैराथन के दौरान भी हंगामा हुआ था। हालांकि, प्रदूषण के उच्च स्तर के बावजूद यह आयोजित हुई, पर भारतीय चिकित्सीय संघ ने इसे रद करने की अपील की थी। मौजूदा टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल 26 मिनट के लिए रोका गया था, क्योंकि श्रीलंकाई खिलाडियों ने सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की थी, जिससे भारतीय कप्तान विराट कोहली को सात विकेट पर 536 रन पर पारी घोषित करने के लिए बाध्य होना पड़ा। हालांकि, भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मुहम्मद शमी ने कहा कि वे इस तरह के मौसम के आदी हैं और इसे बड़ा मुद्दा नहीं बनाना चाहते।

बीसीसीआइ के कार्यवाहक सचिव अमिताभ चौधरी ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस में स्वीकार किया था कि साल के इस समय नई दिल्ली में टेस्ट मैच के आयोजन पर चर्चा की जाएगी। हालांकि, बीसीसीआइ के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि अभी कोटला को अपने कोटे के मैच मिल गए हैं जिसे बोर्ड अभी थोड़े समय तक राहत महसूस करेगा। अधिकारी ने कहा, 'अब 2020 में पर्यावरण के हालात कैसे होंगे, उसकी भविष्यवाणी अभी 2017 में नहीं की जा सकती है। इसलिए अगर कोटला को अगर मैच नहीं मिलता है तो यह पूरी तरह से रोटेशन नीति के अनुसार ही होगा।

श्रीलंकाई वनडे टीम को एयरपोर्ट से जाना पड़ा घर

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम को अजीब स्थिति का सामना उस समय करना पड़ गया जब भारत के खिलाफ आगामी एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिये उसकी टीम के नौ सदस्य अपने भारत दौरे के लिये हवाईअड्डे पर तो पहुंचे लेकिन उन्हें मंत्रालय की अनुमति नहीं मिल पाने के कारण वापिस घर जाना पड़ गया। भारत के खिलाफ श्रीलंका फिलहाल टेस्ट सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच नयी दिल्ली में खेल रही है और उसके बाद 10 दिसंबर से तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरूआत होगी जिसका पहला मैच धर्मशाला में खेला जाएगा। श्रीलंका के कप्तान तिषारा परेरा सहित नौ खिलाड़ी वनडे टीम का हिस्सा हैं जिन्हें मंगलवार को भारत दौरे के लिये रवाना होना था लेकिन हवाईअड्डे पर ही उन्हें रोक दिया गया। श्रीलंकाई खिलाड़ियों को इसके बाद अपने घरों को लौटना पड़ा जिससे उनका भारत दौरा फिलहाल टल गया है। टीम के एक अधिकारी ने बताया कि अधिकतर खिलाड़ी ही सुबह हवाईअड्डे पहुंच गये थे जबकि स्पिनर सचित पाथिराना तो हवाईजहाज में भी बैठ गये थे लेकिन थोड़ी देर बाद सभी को यह कहकर घर जाने के लिये कह दिया गया कि अभी खेल मंत्रालय से रवाना होने के लिये अनुमति नहीं मिल पायी है। श्रीलंका के खेल नियमों के अनुसार देश का विदेशी स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाली सभी टीमों को खेल मंत्रालय से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। समझा जाता है कि 30 नवंबर को चुनी गयी श्रीलंकाई टीम को मंत्रालय के पास अनुमति के लिये समय से नहीं भेजा गया था जिससे यह अजीब स्थिति पैदा हुई। हालांकि टीम सूत्रों के अनुसार मंत्रालय के साथ इस मसले को जल्द सुलझा लिया जाएगा और टीम के बुधवार तक भारत पहुंचने की उम्मीद है।

युवराज सिंह ने यूनीसेफ-आईसीसी का युवा अभियान लांच किया

कोलंबो (एजेंसी)।

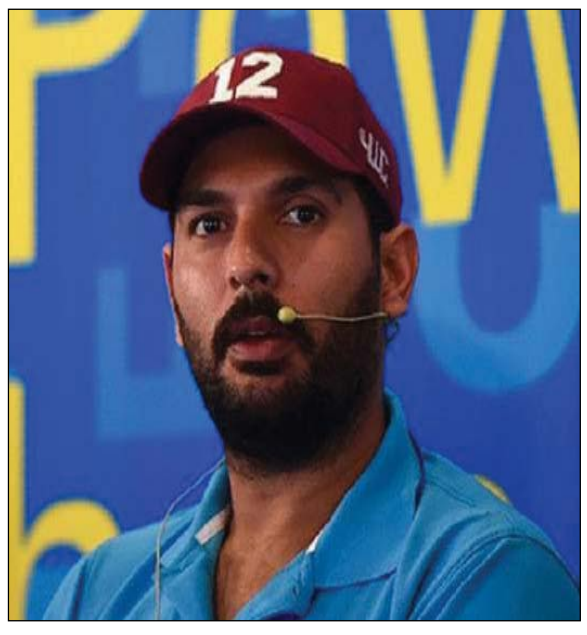

भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह दक्षिण एशिया में युवाओं के लिये यूनीसेफ के खेल अभियान को प्रोमोट कर रहे हैं जिसे आईसीसी का भी समर्थन प्राप्त है। युवराज ने यहां दक्षिण एशिया में किशारों के भविष्य को बनाने में खेल की ताकत संबंधित इस अभियान को लांच किया। युवराज के साथ अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका के अंडर-19 खिलाडी भी मौजूद थे जो अगले साल जनवरी में न्यूजीलैंड में आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में भाग लेंगे।

खिलाड़ियों और युवाओं के बीच एक मैत्री मैच के बाद पैनल चर्चा की गयी जिसे यूनीसेफ दक्षिण एशिया और आईसीसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। युवराज ने कहा, ''दक्षिण एशिया में 34 करोड़ किशोर हैं, जब मैं इन युवाओं की ऊर्जा, जुनून और प्रतिबद्धता को देखता हूं तो मुझे काफी उम्मीद दिखती है।

हालांकि इस क्षेत्र में काफी चुनौतियां हैं, मुझे उम्मीद है कि उनकी ऊर्जा को भविष्य के लिये बेहतरीन ढंग से इस्तेमाल किया जा सकेगा। ''आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड रिचर्डसन ने कहा कि आईसीसी अंडर-19 विश्व कप युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का स्वाद चखायेगा।

पुजारा 2017 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नयी दिल्ली। बेहतरीन फार्म में चल रहे भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन 2017 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। पुजारा ने सात रन बनाते ही दक्षिण अफ्रीका के डीन एल्गर को पीछे छोड़ा जो उनसे पहले इस साल सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में शीर्ष पर चल रहे थे। एल्गर ने इस साल 1097 रन बनाए हैं। पुजारा इस साल 1000 रन पूरे करने वाले सिर्फ चार बल्लेबाजों में शामिल हैं। इस साल उनके और एल्गर के अलावा श्रीलंका के दिमुथ करूणारत्ने (1018) और भारतीय कप्तान विराट कोहली (1009) ने यह उपलब्धि हासिल की है।

हॉकी वर्ल्ड लीग फाइनल : आखिरी लीग मैच में जर्मनी से 0-2 से हारा भारत

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

भारतीय टीम को बेहद लचर और निराशाजनक प्रदर्शन के कारण जर्मनी के हाथों यहां पूल बी में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा जो उसकी हाकी विश्व लीग (एचडब्ल्यूएल) फाइनल में लगातार दूसरी हार है। दर्शकों को फिर से निराशा का सामना करना पड़ा क्योंकि जर्मनी ने दूसरे क्वार्टर में दो गोल दागकर बढ़त बनायी और उसे आखिर तक बरकरार रखा। जर्मनी के लिये कप्तान माटिन हानेर ने 17वें मिनट में और मैट्स ग्रामबुस्क ने 20वें मिनट में गोल किये।

भारत की यह आठ देशों के इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार है। पहले मैच में आस्ट्रेलिया को 1-1 से बराबरी पर रोकने के बाद भारतीय टीम अगले मैच में इंग्लैंड से 2-3 से हार गयी थी। इस तरह से वह पूल बी में केवल एक अंक लेकर सबसे निचले स्थान पर रहा। जर्मनी ने दो मैच जीते और एक ड्रा कराया और वह पूल बी में सात अंक के साथ शीर्ष पर रहा। इससे पहले दिन के एक अन्य मैच में विश्व चैंपियन आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड से 2-2 से ड्रा खेला। आस्ट्रेलिया की तरफ से डायलन वूथरस्पून (33वें मिनट) और ब्लैक गोवर्स (42वें मिनट) ने गोल किये। इंग्लैंड के लिये लियाम अनसेल (चौथे) और फिल रोपर (54वें मिनट) ने गोल दागे। अपने पूल में सबसे निचले स्थान पर रहने के कारण भारत को अब क्वार्टर फाइनल में पूल ए से शीर्ष पर रहने वाली टीम से भिड़ना होगा जबकि जर्मनी पूल ए से चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगा। पूल ए की तालिका का अर्जेंटीना और स्पेन तथा बेल्जियम और नीदरलैंड के बीच मैच के बाद निर्धारण होगा। जर्मनी ने शुरू से ही दबदबे वाली हाकी खेली लेकिन भारत ने भी पहले क्वार्टर में कुछ अच्छे जवाबी हमले किये। खेल के 15वें मिनट ने रूपिंदर पाल सिंह ने चिंगलेनसना को गेंद सौंपी थी जिनके पास गोल करने का मौका था लेकिन वह चूक गये। जर्मनी ने दूसरे क्वार्टर में तीन मिनट के अंदर दो गोल करके भारत को दबाव में ला दिया जिससे वह आखिर तक नहीं उबर पाया। जर्मनी को दूसरे क्वार्टर के शुरू में पेनल्टी कार्नर मिला और हानेर ने ग्राउंड फ्लिक से उसे गोल में बदला। दर्शक तब सन्न रह गये जब जर्मन टीम ने इसके तीन मिनट बाद ग्रामबुस्क के गोल से अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने इसके बाद कुछ अच्छा खेल दिखाया और मौके बनाये लेकिन जर्मनी के गोलकीपर टोबियास वाल्टर ने बेहतरीन खेल दिखाया और भारतीयों के तमाम प्रयास को नाकाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भारतीयों की पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलने की कमजोरी भी खुलकर सामने आयी। टीम को मिले चारों पेनल्टी कार्नर बेकार गये।

बारातीयों से भरी बस डम्फर से टकराई

विवाहिता सहित पांच की दर्दनाक मौत

सूरत। भरूच जिले के नबीपुर हाइवे पर मंगलवार की सुबह बाराती भरी लक्जरी बस ओर डम्फर के बीच भिडन्त हो गई गमख्वार हादसे में बस में सवार विवाहिता सहित पांच जने की मोत होगई :सूरत के पर्वत पटिया निवासी भद्रेशा परिवार के पुत्र का विवाह होने के चलते बाराती भरी लक्जरी बस सौराष्ट्र स्थित द्वारका गई थी । और विवाह का समारोह पूण कर परिवार नव वधु को लेकर सूरत आरहे थे । इस हादसे में 15 से अधिक बाराती धायल हुए है । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सूरत के पर्वत पाटिया इलाके में तुलशी भाई भद्रेशा अपने परिवार के साथ रहते है । तुलशी भाई के पुत्र का विवाह सौराष्ट्र स्थित द्वारका निवासी युवती के साथ विवाह तय हुआ था ।और विवाह के चलते भद्रेशा परिवार लक्जर बस सहित के वाहन में बारात लेकर द्वारका गए थे । विवाह करने के बाद भद्रेशा परिवार बहु को लेकर सूरत आरहे थे । उसी दौरान मंगलवार की सुबह भरूच जिले के नबीपुर हाइवे के निकट कविठा गाव के पास से बस गुन रही थी इसी दौरान बस ओर डम्फर के बीच धमाके के साथ भिडन्त हो गई । गमख्वार हादसे में भद्रेशा परिवार की नववधू हिमानी,उसके ससुर तुलशी भाई भद्रेशा, सास गीता बहन ,फूफा तथा लक्जरी बस के चालक सहित पांच जने की मौके पर ही मौत होगई । वही बस में सवार 15 से अधिक बाराती ओको चोट लगने ने पर भरुच की निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया ।

आपसी रंजीश के चलते दो परिवारों के बीच भिडन्त

सूरत। चोकबाजार के सिंगनपोर स्थित सहजानंद सोसायटी में आपसी रंजिश के चलते दो परिवारों के बीच भिडन्त होई होने का मामला सामने आया है । दोनो परिवारों ने एक दुसरो के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है । पुलिस सूत्रों के अनुसार चोकबाजार के सिंगनपोर स्थित सहजानंद सोसायटी निवासी एक सोसा परिवार के साथ पिछले काफी समय से इसी सोसायटी निवासी मारू परिवार के साथ मन मोटाव चल रहा है । इसी आपशी रंजिश के चलते रविवार की रात में दक्षा बहन गिरीश भाई मारू ,केशव मारू, करण प्रवीण बारैया,तथा मंजू मनसुख परमार सहित चार जने सोसा परिवार के धर में प्रवेश कर पीड़ित परिवार पर हमला कर जानसे खत्म करने की धमकी देकर चार युवती के साथ शारीरिक छेड़छाड़ कर फरार हो गए । हादसे सहम सी गई युवती ने जहर गटक कर खुद ख़ुशी की कोशिश करने पर उसके अस्पताल में भर्ती करवाया गया ।हादसे के चलते पुलिस ने पीड़ित परिवार की शिकायत पर मारू परिवार के खिलाफ मामला दर्ज किया । वही मारू परिवार की शिकायत पर सोसा परिवार के खिलाफ मारा पीटा का मामला दर्ज कर जांच शरू की है ।

रांदेर के की चिल्ड्रन होम से चार किशोरी गायब

सूरत। रांदेर के रामनगर स्थित चिल्ड्रन होम से सोमवार की शाम को अचानक चार किशोरी गुम होने के चलते पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जाँच शरू की हे. रांदेर पुलिस के अनुसार भटार के अलथान स्थित गोकुल रेसीडेंसी निवासी उर्वी बहन चेतनभाई परमार ३० रांदेर के रामनगर स्थित चिल्ड्रन होम में नौकरी कर परिवार का गुजारा करती है.सोमवार की शाम को चिल्ड्रन होम में रहने वाली सलमाबानु गुरुमोहम्द अंसारी,सुमित्रा ब्रिजभान चौहान,नीतू उफ़ नीलू केमाभाई हरिजन तथा कोमल अमितकुमार वाजपाय सहित चार किशोरी अचानक गुम होगी थी चिल्ड्रन होम के स्टाफ द्वारा चारो किशोरी की खोजबिन करने के बाद भी कोई अतापता नहीं चलने पर उर्वी बहन ने रांदेर पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जाँच शरू की हे।

दो महिला बनी बाइक्स गिरोह का शिकार

सूरत। सलाबतपुरा तथा कतारगाव थाना क्षेत्र की सीमा से गुजर रही अलग अलग दो महिला को बाइक्स गिरोह ने निशाना बनाकर गले से 75 हजार की दो सोने की चेन की लूट कर फरात हो गए । पुलिस सूत्रों के अनुसार पलसाना तहसील के पादर फलिया निवासी भरत भाई नागिनभाई तिममर 35 नोकरी कर परिवार का गुजारा करते है । भरत भाई की पत्नी सेजल बहन 4 दिसम्बर के रोज काम के शील शीले के चलते सूरत आई थी और चोकबाजार के रानीतलाव के पास से गुजर रही थी इसी दौरान एक बाइक पर सवार हो कर आये तीन बदमाशों में महिला के गले मे जपता मारकर 35 हजार की सोने की चेन की लूट कर फरार ही गए । कतारगाव के कुबेर नगर निवासी अशोक भाई बाबुभाई गोहिल 37 नोकरी कर परिवार का गुजारा करते है । अशोक भी की पत्नी रेखा बहन 3 दिसम्बर के सुबह सलाबतपुरा के रिंगरोड ओवर ब्रिज पर से गुजर रही थी इसी दौरान एक बाइक पर सवार होकर आए बदमाशो ने रेखा बहन के गले मे जपता मारकर 45 हजार की सोने की चेन की लूट कर फरार होगए । हादसे के चलते दोनों पीड़ित महिला ने संबंधित थानों में लूट का मामला दर्ज कर जांच शरू की है ।

ओखी चक्रवात के चलते शहर की सभी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी का ऐलान

सूरत (ईएमएस)। ओखी चक्रवात के कारण दक्षणि गुजरात समेत राज्यभर में जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। ओखी चक्रवात को ध्यान में रखते हुए बुधवार को सूरत की सभी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी का ऐलान किया गया है।गुजरात के राजस्व सचिव पंकज कुमार के मुताबिक मंगलवार की मध्यरात्रि ओखी चक्रवात दक्षणि गुजरात से टकरा सकता है। रात्रि के दौरान 80-90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी, जिसे देखते हुए प्रशासन ने ऐहतियात के हसंभव उपाय किए गए हैं और सभी कंट्रोल रूम कार्यकर किए गए हैं। सरकारी अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। सूरत के निकट हजीरा से 4-5 जितनी गैस लाइन में गैस सप्लाई बंद कर दी गई है। शाम 5 बजे के बाद बिजली आपूर्ति भी बंद किए जाने की संभावना है। सूरत, नवसारी और वलसाड में एनडीआरएफ की टीमें पहले ही भेज दी गई हैं। सूरत जिला कलेक्टर ने रात 8 बजे के बा तटीय क्षेत्र के लोगों से घर बाहर नहीं निकलने की चेतावनी दी है। साथ ही प्रत्येक संबंधित जिला कलेक्टरों को अपने डिजास्टर मैनेजमेंट टीम के साथ बैठक कर अग्रीम आयोजन का आदेश दिया गया है। ओखी चक्रवात का प्रभाव को देखते हुए 10 दिसंबर तक सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। चक्रवाती तूफान को देखते हुए पेड़, बिजली के खंभे, जर्जरित इमारत इत्यादि से दूर रहने की लोगों से अपील की गई है। तटीय क्षेत्र में जगह जगह चेतावनी बोर्ड लगाए जाने के साथ पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें लगातार पेट्रोलिंग कर रही हैं।

दलबदलुओं को पसंद नहीं करते गुजरात के मतदाता

सूरत(ईएमएस)।गुजरातमेंदलबदलुओंकोमतदाताआमतौरपरपसंदनहींकरतेहैं।सूरतकेमतदाताओंकानजरियाइसमामलेमेंसबसेअलग है।यहां का मतदाता दलबदलुओं को हाशिए पर रखता आया है।एक बारजिन्होंने दल बदला तो वहां का मतदाता उन्हें कभी नहीं चुनता है। अरविंद राणा पहले भारतीय जनता पार्टी के जुड़े हुए थे। पूर्व महापौर फकीर चौहान के साथ वह भाजपा छोड़कर चले गए थे। चौहान के साथ दोबारा भाजपा में शामिल भी हुए किंतु उन्हें सूरत के मतदाताओं ने कभी नहीं चुना और वह गुमनामी में चले गए। डॉ रविंद्र पाटिल ने कांग्रेस छोड़कर काफी लंबा वक्त भाजपा में गुजारा है। 2012 में वह पुन: पुरानी पार्टी में आ गए हैं। सूरत का मतदाता शायद ही उन्हें चुने। इसी तरह के दर्जनों उदाहरण गुजरात में हैं कि दलबदलू नेताओं यहां का मतदाता पसंद नहीं करता है। ना ही उनके ऊपर विश्वास करता है

पीएम मोदी के भाषण में 60 फीसदी बातें कांग्रेस पर

कच्छ (ईएमएस)। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने अंजार में आयोजित सभा में पीएम मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कल मैं पीएम मोदी जी का भाषण सुन रहा था उसमें आधे से ज्यादा बातें उनके और कांग्रेस को कोसने की थीं। राहुल ने कहा कि लेकिन पीएम मोदी, अमित शाह और जय शाह के मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बीजेपी और कांग्रेस के लिए नहीं गुजरात के भविष्य के लिए है। गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस नेता मतदाताओं को अपने-अपने तरीके से लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। तीन दिवसीय चुनावी यात्रा पर आज कच्छ के अंजार पहुंचे राहुल गांधी ने जनता को अपने रसोईघर का हाल बता डाला। दरअसल, रसोई घर में मौजूद गुजराती चीजों के जरिए उन्होंने खुद को गुजरात की जनता से जोड़ने की कोशिश की। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल ने कहा कि कल मेरी बहन मेरे घर आईं। उन्होंने कहा तुम्हारे किचन में सब गुजराती है, खाखरा गुजराती, अचार गुजराती, मूंगफली गुजराती। तो आप लोगों ने मेरी आदतें बिगाड़ दीं, मेरा वजन बढ़ रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि इस बार कांग्रेस पूरे दम खम के साथ चुनाव मैदान में तरी है और गुजरात की जनता भी भाजपा से ऊब चुकी है। मौजूदा चुनाव में कांग्रेस को काफी फायदा हुआ है, जिसमें मुझे आपके मन की बात सुनने को मिली है। राहुल कहा कि कल मैं पीएम मोदी का भाषण सुन रहा था। जिसमें भाषण 60 फीसदी समय पीएम मोदी ने मुझे और कांग्रेस को कोसने पर बिता दिया। यह चुनाव भाजपा या कांग्रेस या मोदी या राहुल नहीं बल्कि गुजरात की जनता के भविष्य का है। लेकिन पीएम मोदी अपने भाषण में गुजरात के भविष्य का उल्लेख नहीं करते। हमने जो मेनिफेस्टो जारी किया है, वह कांग्रेस का नहीं बल्कि लोगों से विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया मेनिफेस्टो है। जिसमें जन जन की मन की बात है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में कहा गया है कि फसल से पहले समर्थन मूल्य तय किया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि मोदीजी गुजरात मोडल की बात करते हैं, लेकिन यह गुजरात मोडल नहीं बल्कि नरेन्द्र मोदी मोडल है। गुजरात मोडल का अर्थ बताते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैं कुछ साल पहले न्यूजीलेंड गया था।

ट्रक की चपेट में आए बाइक सवार दो युवकों की मौत

अरवल्ली(ईएमएस)। मोडासा-वणियाद रोड पर एसटी बस की चपेट में बाइक सवार दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। हादसे के बाद एसटी बस का चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक अरवल्ली जिले के मेघरज तहसील के अजु हिरोला निवासी चचेरे भाई मोडासा के निकट कोकापुर निवासी अपने मामा के घर गए थे। जहां से सामाजिक कार्य निपटाकर दोनों भाई मोटर साइकिल पर अपने गांव की ओर लौट रहे थे। रास्तेमें मोडासा-वाणियाद हाईवे पर मोरा गांव के निकट तेज रफ्तार एसटी बस ने मोटर साइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। बस के अगले पहिए से कुचलकर दोनों भाइयों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

गुजरात चुनाव में ओखी तूफान को लेकर मच सियासी घमासान

पीएम ने की मदद की अपील, हार्दिक ने कहा प्रशासन साहब की सेवा में अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में इस बार जात-पात धर्म और विकास के बाद अब प्राकृतिक आपदा तूफान ओखी पर भी सियासत शुरू हो गई है। दक्षणि भारत के तटीय इलाकों में तबाही मचाने के बात साइक्लोन ओखी अब गुजरात की ओर बढ़ रहा है। तूफान की वजह से कई दिनों नेताओं के भाषणों और बयान से सराबोर गुजरात पूरी तक रुक गया है। ओखी के कारण मंगलवार को होने वाली बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह और वसुंधरा राजे की रैली को भी ओखी की वजह से रद्द कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा,गुजरात में ओखी तूफान दस्तक दे सकता है,बीजेपी कार्यकर्ताओं से अपील है कि वो प्रभावित लोगों की मदद करें। हमारे कार्यकर्ता हर मुमकिन मदद के लिए तैयार रहें और जनता के साथ कंधे से कंधे मिलाकर खड़े हों। पीएम ने देशभर के तूफान प्रभावित इलाकों में भी हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है। उधर ओखी तूफान पर गुजरात के पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने लोगों से सुरक्षति स्थान पर जाने की अपील तो की लेकिन बीजेपी और सरकार को भी नहीं बख्शा। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा,गुजरात में ओखी नाम का समुद्री तूफ़ान आने की संभावना हैं,सभी सलामत स्थान पर चले जाए,प्रशासन के भरोसे ना रहें,क्योंकि प्रशासन साहब की सेवा में लगा हैं'। गुजरात में ओखी नाम का समुद्री तूफ़ान आने की संभावना हैं।सभी सलामत स्थान पे चले जाए,प्रशासन के भरोसे ना रहें,क्योंकि प्रशासन साहब की सेवा में लगा हैं। ओखी के कारण मंगलवार को होने वाली बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह और वसुंधरा राजे की रैली को भी ओखी की वजह से रद्द कर दिया गया है। ऐसा अनुमान है कि 5 दिसंबर को मध्य रात्रि के दौरान साइक्लोन ओखी सूरत के पास समुद्र तट को डीप डिप्रेशन के तौर पर पार करेगा। इस आशंका के मद्देनजर मौसम विभाग ने दक्षणि गुजरात और उत्तरी महाराष्ट्र के समुद्र तटीय इलाकों को पहले ही आगाह कर दिया है। इन इलाकों में मछुआरों को समंदर में ना जाने की सलाह दी गई है। इसे अति भीषण समुद्री चक्रवात की कैटेगरी में रखा गया है।

एक टीचर ने स्कूल में काट दिए बच्चे के बाल

अध्यापक ने आरोप का खंडन किया अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद के राजकोट में एक शिक्षक ने खेल-खेल में एक बच्चे के बाल काट दिए। इस घटना के बाद माता-पिता ने नाराजगी जाहिर की और बताया कि एक व्रत की वजह से हम बच्चे के बाल नहीं कटवा रहे थे, लेकिन हमें इस बारे में पता चलते ही हमने तुरंत ट्रस्टी से संपर्क किया। अहमदाबाद के राजकोट में आमृपाली सिनेमा के पास स्थित न्यू एरा स्कूल में एक स्पोर्टस टीचर ने छठवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक स्टूडेंट के बाल काट लिए। वहीं इस मामले में टीचर का कहना है कि यह सिर्फ एक खेल था। इसके अलावा उन्होंने खुद को बचाव करते हुए कहा, मैंने बच्चे के बालों को कैंची से सिर्फ छुआ था। बच्चे के माता-पिता का कहना है कि जब बच्चा दोपहर में वापस घर आया तो वह काफी निराश था। बच्चे के पिता ने बताया, हमने एक व्रत की वजह से उसके बाल नहीं कटवाए थे, लेकिन जब उसने घर लौटकर क्लास में बाल काटने के बारे में बताया तो मैं चौंक गया। मैंने तुरंत स्कूल के ट्रस्टी से संपर्क किया और इस मामले में स्पष्टीकरण मांग लिया। स्कूल के ट्रस्टी अजय पटेल ने संपर्क करने पर कहा, शिक्षक विजय शर्मा ने हफ्ते भर पहले ही जॉइन किया है।

लक्जरी बस में विदेशी शराब की खेप लगाते तीन गिरफ्तार

अहमदाबाद ईएमएस)। यात्री के रूप में लक्जरी बस में विदेशी शराब की खेप लगानेवाले तीन शख्सों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लाखों रुपए कीमत की शराब जब्त कर लिया। जानकारी के मुताबिक अरवल्ली जिले की मोडासा पुलिस ने सूचना मिली थी कि कुछ शराब तस्कर लक्जरी बस में यात्री के रूप में विदेशी शराब की हेराफेरी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने हिम्मतनगर-उदयपुर नेशनल हाईवे पर राजेन्द्रनगर चौराहे के निकट नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इस दौरान राजस्थान के उदयपुर की ओर से आ रही एक लक्जरी बस को रोक पुलिस ने जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान बड़ी मात्रा में विदेशी शराब की बोतलें और बियर के टीन बरामद हुए। पुलिस ने लाखों रुपए की शराब समेत में यात्री के रूप में बस में सवार राजस्थान निवासी ललित मोहन दाइमा, लक्ष्मण रामलाला मेघवाल और केसरीसिंह राठौड़ को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की है।

बस और ट्रक के भिडंत में चार लोगों की मौत, 12 घायल

भरुच (ईएमएस)। जिले के नबीपुर के निकट ट्रक और बस की बीच हुई जबर्दस्त भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई और 12 लोग जख्मी हो गए। मृतकों में दंपत्ति समेत उसकी बहु शामिल है। हादसे में घायल को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गयाहै। प्राप्त जानकारी के मुताबिक विवाह संपन्न कर बहु को लेकर बारात बस से भरुच जिले के नबीपुर के निकट से गुजर रही थी। उस वक्त ट्रक और बस के बीच भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दुल्हन और उसके सास-ससुर समेत चार लोगों की मौत हो गई। आंकलाव-आसोदर रोड पर मुजकुवा गांव के निकट हुए देर रात हुई इस घटना की खबर लगते ही स्थानीय ग्रामवासी मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया। मृतकों में दंपत्ति समेत उसकी बहु शामिल है। हादसे में घायल को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गयाहै। प्राप्त जानकारी के मुताबिक विवाह संपन्न कर बहु को लेकर बारात बस से भरुच जिले के नबीपुर के निकट से गुजर रही थी। उस वक्त ट्रक और बस के बीच भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दुल्हन और उसके सास-ससुर समेत चार लोगों की मौत हो गई। आंकलाव-आसोदर रोड पर मुजकुवा गांव के निकट हुए देर रात हुई इस घटना की खबर लगते ही स्थानीय ग्रामवासी मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया। मृतकों में दंपत्ति समेत उसकी बहु शामिल है। हादसे में घायल को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com